Nai Dunia (Indore), 27th July 2021, Page-3

आइआइटी की प्रोफेसर स्टैनफोर्ड के मंच पर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), इंदौर की अंग्रेजी की सहायक प्रोफेसर डा. अनन्या घोषाल ने ह्यूमैनिटीज पेडागाजी कलेक्टिव द्वारा आयोजित सम्मेलन में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महामारी के बाद की दुनिया में 21वीं सदी में शिक्षकों, विद्वानों और योगदानकर्ताओं को सभी विषयों से जोड़ना व मानविकी के लिए नए शिक्षण अन्वेषण करना था।

आयोजन में स्टैनफोर्ड विवि के साथ ही 25 से अधिक प्रमुख विश्वविद्यालयों, स्कूलों व कालेजों के अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें प्रिंस्टन विवि,

ज्ञान

- **दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व कर भारत का नाम किया रोशन**
- **उद्घाटन और समापन दोनों के लिए पैनलिस्ट बनाई गई थीं डा. घोषाल**

राष्ट्रीय मानविकी गठबंधन (एनएचए) वाशिंगटन, कैलिफोर्निया विवि बर्कले, उप्साला विवि और टोरंटो विवि जैसे संस्थान शामिल थे। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने डा. घोषाल को बधाई दी और कहा संस्थान का ऐसा वैश्विक प्रतिनिधित्व संकाय सदस्यों के अनुभव और अनुसंधान की समृद्धि को दर्शाता है। डा. घोषाल सम्मेलन के उद्घाटन और समापन दोनों के लिए पैनलिस्ट थी और उन्होंने इको सिनेमा का एकीकरण और शिक्षा में डिजिटल एंथ्रोपोसीन-नई अस्थायीताएं और रचनात्मक प्रतिक्रियाएं विषय पर बात भी की। सम्मेलन का आयोजन कार्यशाला, गोलमेज चर्चाओं, अनुसंधान संगोष्ठियों, सहयोगी कार्य समूहों, शिक्षाशास्त्र प्रदर्शनों और बिजली वार्ता द्वारा किया गया था। डा. घोषाल ने प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी में मैकग्रा सेंटर फार टीचिंग एंड लर्निंग के सीनियर एसोसिएट डायरेक्टर डोमिनिक वोगे द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में भी भाग लेकर सभी विषयों में नैतिक मूल्यांकन के विचार की खोज के सहयोगी कार्य में योगदान दिया।